भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 269

09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय प्रतिरक्षण कवरेज

***269. श्री सेल्वाराज वी.:**

श्री सुब्बारायण के.:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन/यूनिसेफ की राष्ट्रीय प्रतिरक्षण कवरेज आकलन (डब्ल्यूयूईएनआईसी) 2023 की रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि ऐसे बच्चों की संख्या के मामले में भारत दूसरा सबसे बड़ा देश है जिन्हें वर्ष 2023 में कोई टीका नहीं लगा है अर्थात् ऐसे 2.1 मिलियन बच्चों वाले देश नाइजीरिया के एकदम बाद वाला देश भारत है जहां ऐसे बच्चों की संख्या 1.6 मिलियन है; और
(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की प्रतिक्रिया सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) और (ख): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

09 अगस्त, 2024 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 269 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): सरकार शून्य खुराक वाले बच्चों के संबंध में भारत की स्थिति के संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन/यूनिसेफ के राष्ट्रीय प्रतिरक्षण अनुमानों (डब्ल्यूयूईएनआईसी) की रिपोर्ट 2023 से अवगत है।

हालांकि, शून्य खुराक वाले बच्चों की अधिक संख्या वाले देशों के साथ तुलना दोषपूर्ण है क्योंकि इसमें भारत की जनसंख्या और टीकाकरण की उच्च कवरेज को ध्यान में नहीं रखा गया है।

प्रतिशतता के रूप में, शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 0.11% है। निरंतर प्रयासों के चलते, टीके लगने से रह गए बच्चों की प्रतिशतता में आनुपातिक गिरावट आई है जो वर्ष 2013 में डीटीपी-1 से डीटीपी-3 तक 7% से कम होकर वर्ष 2023 में 2% रह गई है और खसरे के टीके की कवरेज भी बढ़ी है जो वर्ष 2013 में 83% से बढ़कर वर्ष 2023 में 93% हो गई है।

वर्ष 2013 में शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या 26 लाख थी, वर्ष 2023 में अटीकाकृत बच्चों (शून्य खुराक वाले बच्चों) की संख्या कम होकर 16 लाख (डब्ल्यूयूईएनआईसी रिपोर्ट) रह गई है।

कार्यक्रम के तहत कवर किए गए अधिकांश एंटीजन्स के लिए 90% से अधिक की टीकाकरण कवरेज भी उच्च आय वाले अनेक देशों के बराबर है। डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित टीकों के लिए भारत की 83.46% की वैक्सीन कवरेज विश्व की औसत वैक्सीन कवरेज (72.77%) से अधिक है।

तुलनात्मक रूप से, भारत की डीपीटी-1 की 93% कवरेज के मुकाबले नाइजीरिया की यह कवरेज मात्र 70% है (डब्ल्यूयूईएनआईसी 2023)।

जनसंख्या अधिक होने के कारण, हमारे देश में टीकाकृत बच्चों का सबसे बड़ा समूह है। वित्त वर्ष 2023-24 में टीकाकृत बच्चों के 2.6 करोड़ के समूह में से 2.5 करोड़ बच्चे 93.5% की पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज के अंतर्गत आते हैं और 1.3 करोड़ टीकाकरण सत्र आयोजित हुए हैं। हमारे देश का प्रतिरक्षण कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर जन स्वास्थ्य संबंधी सबसे बड़ी पहल है।

सरकार ने सभी पात्र बच्चों को टीकों की छूटी हुई/शेष खुराकें लगाना सुनिश्चित करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ तालमेल करके अनेक उपाय किए हैं।

i. अटीकाकृत बच्चों की अधिक संख्या वाले 11 राज्यों में 143 जिलों के लिए शून्य खुराक कार्यान्वयन योजना 2024 बनाई गई है।
ii. मिशन इंद्रधनुष (एमआई)/गहन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) विशेष टीकाकरण अभियान हैं, जो अटीकाकृत बच्चों की अधिक संख्या वाले राज्यों के सहयोग से चलाए जाते हैं। 2023 तक, एमआई/आईएमआई के 12 चरण आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं को टीके लगाए गए हैं।
iii. पल्स पोलियो कार्यक्रम हेतु राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) और उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एसएनआईडी) हर साल चलाए जाने वाले विशेष टीकाकरण अभियान हैं। भारत 2014 से पोलियो मुक्त स्थिति बनाए हुए है।
iv. टीकाकरण गतिविधियों के लिए निर्दिष्ट दिनों पर वीएचएनडी (ग्राम स्वास्थ्य और पोषण दिवस) का आयोजन किया जाता है।
v. राज्य टीकाकरण कार्यबल (एसटीएफआई), जिला टीकाकरण कार्यबल (डीटीएफआई) और ब्लॉक टीकाकरण कार्यबल (बीटीएफआई) नियमित रूप से चलाए जाने वाले अभियानों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हैं।
vi. नियमित रूप से सूचना, शिक्षा और संचार अभियान आयोजित किए जाते हैं।
vii. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बच्चों और गर्भवती महिलाओं के सभी टीकाकरण कार्यक्रमों के पंजीकरण और रिकॉर्डिंग के लिए यूविन पोर्टल भी विकसित किया है।

****